हमारे समाज-जीवन का सशक्त आधार स्तंभ हैं महिलाएं : पूनम राय

पूनम राय, प्रबंध निदेशक,
सावित्री टेक्नो इंडस्ट्रीज लिमिटेड
(सावित्री समूह से संबद्ध कंपनी)

गौरवशाली भारत संवाद

महिलाओं के बिना इस विश्व की कल्पना ही वास्तव में असंभव है। क्योंकि महिलाएं हमारे समाज-जीवन का सशक्त आधार स्तंभ हैं। महिला, स्त्री, नारी, औरत यानी मां, बहन, बेटी, पत्नी शब्द और रिश्ता कुछ भी हो उसका सम्मान आवश्यक है। हमारी सनातन वैदिक सभ्यता में नारी को पूज्यनीय माना-कहा गया है। हमारे शास्त्रों में भी कहा गया है "यत्र तु नार्यः पूज्यन्ते तत्र देवताः रमन्ते, यत्र तु एताः न पूज्यन्ते तत्र सर्वाः क्रियाः अफलाः (भवन्ति)।" अर्थात जहाँ स्त्रियों की पूजा होती है वहाँ देवता निवास करते हैं और जहाँ स्त्रियों की पूजा नहीं होती, उनका समुचित सम्मान नहीं होता, वहाँ किए गए समस्त अच्छे कर्म भी निष्फल हो जाते हैं।

भारतीय नारी पुरातन काल में भी अपने दायित्वों-कर्तव्यों-अधिकारों को लेकर मुखर रही है। नारी अपने विभिन्न रूपों में सदैव मानव जाति के लिए त्याग, बलिदान, स्नेह, श्रद्धा, धैर्य और सहिष्णुता पूर्ण जीवन बिताती है । प्राचीन काल से ही नारी केवल घर-गृहस्थी को संभालने में कुशल रहीं है, बल्कि समाज, राजनीति, धर्म, विधि, न्याय समेत सभी क्षेत्रों में वह पुरुष की संगिनी, सहायक ही नहीं, प्रेरक भी रही है।

उक्त उदगार सावित्री समूह से संबद्ध कंपनी सावित्री टेक्नो इंडस्ट्रीज लिमिटेड की प्रबंध निदेशक पूनम राय ने अपने संबोधन में व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि इक्कीसवीं सदी में भी स्त्री ने स्वयं की शक्ति को पहचान लिया है और काफी हद तक अपने अधिकारों के लिए लड़ना सीख लिया है। महिलाएं न केवल आज अपने अधिकारों के लिए लड़ रही हैं, बल्कि दायित्वों-कर्तव्यों का निर्वाह करने के साथ ही अपने सपनों की उड़ान भरने के लिए भी वह पूर्णतः सजग हैं। चाहे वह गृहिणी हो या फिर शिक्षक, अधिवक्ता, चिकित्सक, पत्रकार, सैनिक, प्रशासनिक अधिकारी, अभियंता, सरकारी कर्मी जैसे किसी भी पद-पेशे में हों आधी आबादी के रूप में दुनिया को खूबसूरत बनाने में उनका ही सर्वाधिक योगदान है। अपनी बहुमुखी प्रतिभा योग्यता के बूते महिलाओं ने यह बखूबी साबित किया है कि वह हर क्षेत्र में अपना नाम करने में सक्षम हैं। नारी आज आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर अपनी एक सशक्त पहचान बना रही है, दिन-प्रतिदिन अपनी उपलब्धियों का उत्सव मना रही है।

कंपनी के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए पूनम राय ने कहा कि 'सावित्री समूह' महिला सशक्तिकरण और व्यावसायिक नैतिकता की जीवंत मिसाल है। उन्होंने कहा कि 'सावित्री समूह' वर्तमान में बेशक बहुत छोटा, लेकिन एक सम्मानित कारोबारी संगठन है। 'सावित्री समूह'

महिला सशक्तिकरण और व्यावसायिक नैतिकता की जीवंत मिसाल है 'सावित्री समूह'

अपने सामाजिक कार्यों और व्यावसायिक नैतिकता के लिए दुनिया भर में जाना-पहचाना जाता है। 'सावित्री समूह' का प्रमुख ध्येय स्थापना के समय से ही प्रतिभाशाली युवाओं को रोजगार के पर्याप्त और योग्यतानुसार व्यापक अवसर उपलब्ध कराना रहा है। सन 1999 में रोपा गया 'सावित्री समूह' नाम का यह पौधा अपनी विभिन्न ईकाईयों के बूते निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर है और लगभग 1600 से अधिक कार्मिकों को रोजगार रूपी फल से आच्छादित कर रहा है। 'सावित्री समूह' के साथ मुख्य रूप से दूरसंचार क्षेत्र के सैंकड़ों तकनीकी विशेषज्ञों संग अन्य अनेक उच्च कुशल पेशेवर काम कर रहे हैं।

सावित्री समूह की एक व्यवस्था उसे औरों से अलग करती है, वह है हमारी आरक्षण नीति।

सवित्री समूह में शुरूआत से ही 'समाज उत्थान नीति' लागू है और इसके अनुसार नौकरी का 95 प्रतिशत उन लोगों के लिए आरक्षित है जो फ्रेशर, बेरोजगार हैं और सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक रूप से समाज के निचले तबके से आते हैं। सावित्री समूह लोगों के पूर्ण सामाजिक आर्थिक परिवर्तन में विश्वास करता है और अपने इस उद्देश्य प्राप्ति में पूरी तरह सफल भी हो रहा है। सवित्री समूह के लिए व्यापार केवल पैसा कमाने का जरिया नहीं है, बल्कि सामाजिक उत्थान और बदलाव का माध्यम है। प्रबंध निदेशक ने कहा कि एक महिला अगर काम करके धनोपार्जन करती है तो अपने परिवार और बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देती है। समाज के निचले वर्ग के पुरुष और महिलाओं को अपना जीवन बेहतर बनाने का मौका मिले और वे भी एक सम्मानित नागरिक की तरह अपना जीवन व्यतीत करें यही मेरा प्रयत्न रहता है।

समूह में कार्यरत कर्मचारी विशेष रूप से श्रमिक, हमारे कारखाने और व्यवसाय के लिए नींव की ईंट हैं, किसी भी भवन की नींव जब तक मजबूत नहीं बनेगी तो ऊपरी मंजिल कैसे टिकाऊ हो सकती है। मेरी सफलता मेरे कारखाने के प्रत्येक सदस्य पर उतना ही निर्भर है, जितना कि स्वयं मुझ पर।

मुझे गर्व है कि मैं एक भारतीय हूं और मुझे अपने देश से बहुत लगाव है। देश के प्रत्येक नागरिक को अपने सामाजिक कर्तव्यों-दायित्वों का निर्वहन करना भी जरूरी होता है। क्योंकि सदस्यों से परिवार बनता है, परिवार से समाज और समाज से देश बनता है। अगर मैं किसी परिवार के एक सदस्य को भी आर्थिक मजबूती दे पाती हूं तो यह एक बेहतर समाज की कल्पना को साकार करने जैसा है। यह देश के प्रति मेरी जिम्मेदारी है और मैं इसके लिए हमेशा कार्यरत रहूंगी।

सावित्री समूह का हिस्सा होने के दौरान उन्होंने यह भी महसूस किया कि नैतिक जीवन शिक्षा से आता है इस शानदार विचार के साथ उन्होंने अपना शिक्षा केंद्र शुरू किया। समूह का शिक्षा केंद्र, प्रॉम्प्ट स्टेप ओपिसी प्राइवेट लिमिटेड आज सम्मानजनक और जिम्मेदार नागरिकों के निर्माण और सभी शिक्षार्थियों को सशक्त बनाने के लिए समर्पित है।

उन्होंने कहा कि मैं भविष्य में समाज के उपेक्षित उस वर्ग के लिए जो चलने, बोलने, सुनने, देखने में असमर्थ हैं, उसके लिए शिक्षा का प्रबंध करना चाहूंगी। समाज में स्त्रियों को आर्थिक मजबूत बनाने के साथ-साथ शिक्षित करने का भी प्रबंध और प्रयत्न करती हूं और करती रहूंगी। ❍❍